संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. द्वितीय वर्ष	
सत्र	2019–2020	
विषय	हिंदी साहित्य	
प्रश्न–पत्र	प्रथम	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	अर्वाचीन हिंदी काव्य	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

अधिगम (Course Out Come)

1. साहित्य अध्ययन के माध्यम से भारतीय जीवन मूल्यों और परम्पराओं का ज्ञान
2. सृजनात्मक क्षमता का विकास
3. मानवीय संवेदनाओं का बोध
4. स्थानीय रचनाधर्मियों का परिचय

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	निर्धरित कविः मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय तथा मुक्तिबोध की रचनाओं से तीन व्याख्या मैथिलीशरण गुप्त– 1. सखि वे मुझसे कहकर जाते (यशोधरा से) 2. दोनों ओर प्रेम पलता है (साकेत से) जयशंकर प्रसाद– 1. बीती विभावरी जाग री 2. शेर सिंह का शस्त्र समर्पण सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – 1. जागो फिर एक बार 2. तोडती पत्थर

	माखनलाल चतुर्वेदी – 1. कैदी और कोकिला 2. हिमकिरीटनी महादेवी वर्मा – 1. मैं नीर भरी दु:ख की बदली 2. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ स.ही.वा. अज्ञेय – 1. कलगी बाजरे की 2. बावरा अहेरी मुक्तिबोध – 1. सहर्ष स्वीकारा है 2. भूल गलती
द्वितीय इकाई	मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला से एक समीक्षत्मक प्रश्न
तृतीय इकाई	माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध से एक समीक्षत्मक प्रश्न
चतुर्थ इकाई	आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियाँः भारतेंदु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद और छायावादोत्तर काव्य, प्रगतिवाद एवं नई कविता
पंचम इकाई	द्रुतपाठ – भारतेंदु हरिश्चंद्र, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता, दुष्यंत कुमार, इन्द्र बहादुर खरे, द्वारिका प्रसाद मिश्र

पाठ्य–पुस्तक – अर्वाचीन हिंदी काव्य
प्रकाशक – मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल